वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 96 | बुधवार 30 जुलाई 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

संगीत आश्रम संस्थान में गूंजे मोहम्मद रफी के नगमे

जयपुर. कसां। संगीत प्रेमियों के लिए यादगार लम्हों से भरी शाम उस वक्त बनी, जब संगीत आश्रम संस्थान के परिसर में मोहम्मद रफी के सदाबहार नगमों की गूंज हर दिल को छू गई। संस्थान की ओर से आयोजित 3 दिवसीय संगीत समारोह के अंतिम दिन मंगलवार को बाल व युवा कलाकारों ने सुर, लय और भाव से मोहम्मद रफी को एक अद्भुत श्रद्धांजलि दी। गिटारिस्ट वत्सल अनुपम के निर्देशन में आयोजित इस संगीतमय संध्या को ''बहारों फूल बरसाओ'' थीम के साथ सजाया गया, जिसमें रफी के गाए भजन, रोमांटिक और दर्दभरे गीतों की की प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम में विमला शर्मा ने 'भई देर भई नंदलाला', जयति कुमारी ने 'तेरी आंखों के सिवा', गीत शर्मा ने 'रिमझिम के गीत सावन', कशिश कंवर ने 'मन रे तू काहे', जगदीश जीनगर ने 'पत्थर के सनम' और हिमांशु वर्मा ने 'खोया खोया चांद' जैसे गीत गाकर श्रोताओं को रफीमय कर दिया। पुष्पेन्द्र सिंह, सुमित्रा अग्रवाल, प्रीति प्रधान, खुशबू कंवर, आदित्य सिंह, सोनू सोनी, ताराचंद जैन, भूमिका राठौर, समन्विता सरकार और रीना सोनी जैसे कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी। गिटार पर नीत खत्री, नीतेश, आलिया, नव्या, आराध्या और स्तुति ने 'चुरा लिया है दिल', 'क्या हुआ तेरा वादा' जैसे गीतों की धुनें बजाईं। कीबोर्ड पर राघव सोनी, आशिका, तनिष खंडेलवाल, मीशा और सृष्टि गोयल ने बेहतरीन संगत दी। निहाल कुमावत, अभिराम, मिष्का, प्रियंका सिंह और रियांशी अग्रवाल ने भी अपनी मधुर प्रस्तुतियों से सराहना बटोरी।

मुख्यमंत्री का दिल्ली दौरा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने की मुलाकात

जयपुर. कासं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान शर्मा ने राज्य के समग्र विकास तथा विभिन्न लोककल्याणकारी योजनाओं के बारे में सार्थक चर्चा की। उन्होंने प्रधानमंत्री को राज्य में संचालित केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति के बारे में अवगत कराया। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने राजस्थान के विकास के लिए केन्द्र सरकार द्वारा निरंतर सहयोग के लिए आश्वस्त किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को प्रभु राम की प्रतिमा भी भेंट की। ये उनकी प्रधानमंत्री से शिष्टाचार भेंट थी।

कथावाचिका देवी कृष्णप्रिया ने गोसेवा को बनाया जीवन का आधार

धर्म और सेवा का संदेश देती हैं, राजस्थान में सक्रिय है 'चैन बिहारी आश्रय फाउंडेशन'

जयपुर. कासं

कथा वाचिका देवी कृष्णप्रिया आज धर्मगाथाओं की व्याख्याता के साथ-साथ गौसंरक्षण, युवा सेवा और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की सशक्त जन आवाज बन चुकी हैं। श्रीमद्भागवत, शिव महापुराण और रामकथा पर उनके प्रवचन सरल, भावनात्मक और गहरे अर्थों से युक्त होते हैं। ये प्रवचन भारत और विदेशों में भी अत्यधिक लोकप्रिय हैं। राजस्थान उनके सामाजिक और आध्यात्मिक कार्यों का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। 'चैन बिहारी आश्रय फाउंडेशन' की शाखाएं दौसा और बालोतरा में सक्रिय हैं। यहां से हर वर्ष सैकड़ों श्रद्धालु धार्मिक यात्राओं में भाग लेते हैं। दौसा में विशेष रूप से चार धाम यात्रा और अन्य सांस्कृतिक स्थलों की यात्राओं का आयोजन होता है। इनमें हर साल 400 से 500 श्रद्धालु शामिल होते हैं।

6 वर्ष की आयु में दीक्षा प्राप्त की

कृष्णप्रिया निंबार्क संप्रदाय के संत रूप किशोर दास महाराज से मात्र 6 वर्ष की आयु में दीक्षा प्राप्त की। 7 वर्ष की उम्र में उन्होंने उज्जैन के सिंहस्थ मेले में पहली बार श्रीमद्भागवत कथा का वाचन किया। अब तक वे 400 से अधिक कथाओं का आयोजन भारत और विदेशों में कर चुकी हैं। कथा वाचन के माध्यम से वह केवल धार्मिक शिक्षा ही नहीं देतीं। वे सेवा, करुणा और संस्कृति का संदेश भी देती हैं। उनका मानना है कि धर्म को केवल सुनना या कहना पर्याप्त नहीं है। उसे जीवन में उतारना

आवश्यक है। उनके प्रवचन वेद-पुराणों की गूढ़ व्याख्या के साथ-साथ सामाजिक चेतना भी जागृत करते हैं। वे नियमित रूप से वृंदावन, हरिद्वार, प्रयागराज, द्वारका, बद्रीनाथ और उज्जैन में प्रवचन देती हैं। इसके अलावा अमेरिका, यूके, मॉरीशस, दुबई और श्रीलंका जैसे देशों में भी धार्मिक प्रवचन करती हैं। वे सनातन धर्म की नई पीढ़ी को सेवा और अध्यात्म के मार्ग से जोड़ने वाली प्रेरणास्त्रोत हैं। गोसेवा उनके जीवन का आधार है। एक घायल गोमाता को तड़पते हुए देखकर उनके भीतर सेवा का संकल्प जागा, जिसने ह्लचैन बिहारी आश्रय फाउंडेशनह्व की नींव रखी। यह संस्था वर्तमान में मथुरा जनपद में बीघों भूमि पर फैली हुई है, जहां 200 से अधिक बीमार और बेसहारा गौवंशों को आश्रय, चारा और चिकित्सा उपलब्ध कराई जाती है। यहां 30 से अधिक सेवक और चिकित्सक सतत सेवा में संलग्न हैं। युवाओं को धर्म और सेवा से जोड़ना उनके कार्य की विशेषता है। आज हजारों युवा ''चैन बिहारी आश्रय फाउंडेशन'' से जुड़कर सोशल मीडिया अभियानों, कथा आयोजनों और प्रत्यक्ष गोसेवा में सक्रिय हैं। कृष्णप्रिया 'शक्ति, सेवा और संस्कार'' के मंत्र के साथ युवा पीढ़ी को धार्मिक जागरूकता और समाज सेवा के लिए प्रेरित कर रही हैं।

राजस्थान इन्टरनेशनल सेन्टर में प्रथम गारमेंट फेयर का आगाज

प्रदेश भर से आए करीब 300 व्यापारी

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर होलसेल गारमेन्ट्स एसोसिएशन का प्रथम तीन दिवसीय गारमेंट फेयर झालाना डूंगरी स्थित राजस्थान इन्टरनेशनल सेन्टर में चल रही है। फेयर 30 जुलाई तक चलेगा। फेयर में राजस्थान से 300 से अधिक व्यापारी जुटे। एसोसिएशन के अध्यक्ष अरविन्द अग्रवाल ने बताया कि फेयर का उद्घाटन, जयपुर नगर निगम हैरिटेज की महापौर कुसुम यादव व भाजपा के जयपुर शहर अध्यक्ष अमित गोयल ने फीता काटकर किया। इस मौके पर फैडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एण्ड इण्डस्ट्री के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल व महामंत्री नरेश सिंघल जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश बज, महामंत्री सुरेश सैनी, जयपुर गारमेन्ट क्लब के अध्यक्ष दीपक जैन, महामंत्री अशोक गुप्ता अति विशिष्ट एवं विशिष्ट अतिथियों के रूप में मौजूद रहे। इस अवसर पर मेयर कुसुम यादव व भाजपा शहर अध्यक्ष गोयल ने व्यापारियों की जो भी समस्याएं हैं,उनका हर

संभव समाधान करने का आश्वासन देते हुए एसोसिएशन की टीम को बधाई दी। इस मौके पर उपस्थित व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों का तिलक,माला व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत व सम्मान किया गया। इसके बाद गारमेंट एसोएिसशन के अध्यक्ष अग्रवाल ने संस्था की गतिविधियों का जानकारी देते हुए स्वागत भाषण दिया। एसोसिएशन के अध्यक्ष अग्रवाल ने बताया कि इसके बाद सभी अतिथियों ने फेयर में लगी 79 स्टॉलों पर सजे लेटेस्ट कलेक्शन का अवलोकन किया। इस मौके पर विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि व व्यापारी मौजूद रहे।

जियो ने लॉन्च किया एआई रेडी क्लाउड कंप्यूटर 'जियो-पीसी'

टीवी को बनाएं स्मार्ट पीसी, बिना खास हार्डवेयर के, मंथली प्लान 400 रुपए से शुरू, एक माह फ्री ट्रायल

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया। रिलायंस जियो ने 'जियो-पीसी' लॉन्च किया है – एक क्लाउड बेस्ड वर्चुअल डेस्कटॉप प्लेटफॉर्म, जो टीवी स्क्रीन को हाईएंड पर्सनल कंप्यूटर में बदल देता है। यह सेवा जियोफाइबर और जियो एयरफाइबर यूजर्स के लिए उपलब्ध है। नए यूजर्स को एक माह का फ्री ट्रायल मिलेगा। जियो-पीसी देश का पहला पे-एज-यू-गो क्लाउड कंप्यूटिंग मॉडल है, जिसमें न लॉक-इन पीरियड है, न मेंटेनेंस खर्च और न ही महंगे हार्डवेयर की जरूरत। सिर्फ कीबोर्ड और माउस जोड़ें, ऐप खोलें और कंप्यूटिंग शुरू करें। कंपनी के अनुसार, जियो-पीसी में 8जीबी रेम, 512जीबी क्लाउड स्टोरेज, और सभी प्रमुख एआई टूल्स व एप्लिकेशन्स शामिल हैं। यह सामान्य कार्यों के साथ गेमिंग और ग्राफिक रेंडरिंग भी संभाल सकता है। इसकी तुलना में ऐसे पीसी की बाजार कीमत 50,000 रुपए से अधिक होती है, जबकि जियो-पीसी का प्लान 400 रुपए माह से शुरू होता है। एडोब एक्सप्रेस जैसे पॉपुलर डिजाइन टूल्स तक फ्री एक्सेस भी मिलेगा। जियो-पीसी नेटवर्क-स्तरीय साइबर सुरक्षा देता है और सभी डेटा को सुरक्षित क्लाउड स्टोरेज में स्टोर करता है।

आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के सर्वसम्मति से हुए चुनाव

स्वामी सुमेधानंद सरस्वती संरक्षक, वेदपाल शास्त्री प्रधान, विनोद कुमार आर्य मंत्री व मोहनलाल कोषाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित

ज्यपुर. शाबाश इंडिया

आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान की साधारण सभा का प्रांतीय वार्षिक अधिवेशन बजरी मंडी कनकपुरा रोड स्थित कनक पैलेस आयोजित हुआ। अध्यक्षता स्वामी सुखानंद सरस्वती ने की। मुख्य निर्वाचन अधिकारी धर्मवीर सिंह,निर्वाचन अधिकारी सुभाष आर्य व विनय झा ने वार्षिक निर्वाचन प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रमानुसार पूर्ण करवा कर आगामी कार्यकाल के लिए नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का गठन किया गया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि स्वामी सुमेधानंद सरस्वती को संरक्षक, वेदपाल शास्त्री प्रधान, विनोद कुमार आर्य मंत्री तथा मोहनलाल कोषाध्यक्ष पद पर निर्विरोध सर्वसम्मति से निर्वाचित घोषित किए गए। इसके अलावा उपप्रधान पद पर स्वामी सुखानंद सरस्वती , रमेश गोस्वामी, देवेंद्र भारद्वाज, रमजीराम आर्य, अमित आर्य, देवेंद्र शास्त्री, आदि को सर्वसम्मति से निर्विरोध उपप्रधान निर्वाचित घोषित किया गया। इसके अलावा अंतरंग सदस्य के रूप में स्वामी रामदेव, ब्रह्मप्रकाश आर्य, रविशंकर आर्य, हीरालाल आर्य, गोविंद सिंह, वीरेंद्र सिंह, नरदेव आर्य, विनोद आर्य, अश्वनी कुमार, भरत सिंह, आचार्य योगेश आचार्य, लाभचंद आर्य, रणजीत शास्त्री, आदि निर्वाचित घोषित किया गया,जबकि झम्मन मुनि एवं रामानंद आर्य को संरक्षक बनाया गया। पूर्व सांसद एवं सभा के संरक्षक स्वामी सुमेधानंद सरस्वती ने समस्त नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं अंतरंग सदस्यों के सर्वसम्मति से निर्विरोध निर्वाचित होने पर शुभकामनाएं देते हुए कहा नवनिर्वाचित पदाधिकारियों से अपेक्षा है कि वे महर्षि दयानंद, वेद एवं आर्य समाज के सिद्धांतों पर चलते हुए सबको साथ लेकर चलने तथा संगठन विस्तार करते हुए वैदिक सिद्धांतों को जन जन तक पहुंचाने कार्य करेंगे। साधारण सभा के अधिवेशन को नवनिर्वाचित प्रधान वेदपाल शास्त्री, मंत्री विनोद आर्य, कोषाध्यक्ष मोहनलाल, तथा उपप्रधान स्वामी सुखानंद सरस्वती ने संबोधित किया, संचालन आचार्य रविशंकर ने किया।

छाया श्रद्धा व भक्ति का रंग, तीर्थराज सम्मेद शिखर सिद्ध क्षेत्र की अनुपम झांकी से मुनियों ने दिया धर्मसंदेश

मुनि अनुपम सागर,मुनि निर्मोह सागर ससंघ के सानिध्य में तीर्थराज सम्मेद शिखर सिद्ध क्षेत्र की अनुपम झांकी का लोकार्पण

कल्याण मंदिर विधान के साथ मोक्ष सप्तमी महोत्सव के तीन दिवसीय आयोजन शुरू

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित श्री सुपार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में वर्ष 2025 का चातुर्मास कर रहे पट्टाचार्य आचार्य विशुद्धसागर म.सा. के शिष्य मुनि अनुपम सागर संसघ ने सोमवार को संयम भवन में मोक्ष सप्तमी महोत्सव के पहले दिन तीर्थराज सम्मेद शिखर सिद्ध क्षेत्र की अनुपम झांकी का लोाकर्पण करने के बाद वहां विराजित होकर धर्म संदेश प्रदान किया तो पूरा वातावरण श्रद्धा व भक्ति से ओतप्रोत हो गया।मुनि अनुपम सागर महाराज ने कहा कि भारतीय संस्कृति में युग युगान्तर तक यहीं संदेश गुंजायमान हो रहा है कि जीवन में संस्कार ओर संगति का प्रभाव इंसान पर अवश्य पड़ता है। आज भी प्रत्येक माता-पिता चाहते है कि उनके बच्चें हर तरह से महान बनकर उनका नाम रोशन करे लेकिन आज माता-पिता का गौरव कुसंस्कारों के कारण क्षीण होता जा रहा है। उन्होंने मोक्ष सप्तमी महोत्सव महोत्सव के शुभ अवसर पर पार्श्वनाथ कथा के दो भाई मरूभूति ओर कमठ के प्रसंग का संगीतमय मार्मिक चित्रण कर सैकड़ो श्रावक-श्राविकाओं के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी। मुनिश्री ने कहा कि इस पंचम काल में हर परिवार में प्रभुत्व एवं वर्चस्व की लड़ाई चलती है। माता-पिता जन्मदाता के साथ जीवनदाता भी है इसके बावजूद उनके उपकार संतान भूलती जा रही है।एक तरफ ममता ओर दूसरी तरफ निर्ममता के प्रतीक मरूभूति ओर कमठ के इस प्रसंग से हमे शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए। कुसंस्कार हमारी जिंदगी की गति बिगाड़ सकते है इसलिए हमेशा धर्म की संगत में रहे। प्रवचन में मुनि निर्मोहसागर महाराज ने कहा कि अनावश्यक क्रियाकांडो में न पड़कर धर्म के मर्म को समझकर अपने व्यवहारिक जीवन में आमूलचूल परिवर्तन करना चाहिए। श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के अध्यक्ष राकेश पाटनी ने बताया कि तीन दिवसीय मोक्ष सप्तमी महोत्सव के पहले दिन मुख्य शांतिधारा का लाभ श्रीमती मनोहरदेवी, विनोदकुमार,कमलेश,सोमेश,कमल,हितवी ठग परिवार को मिला। सम्मेद शिखर की अनुपम झांकी का अनावरण जयकुमार नीलम,अमन, अर्पित छाबड़ा ने किया। सौधर्मेन्द्र अशोककुमार सुशीला छाबड़ा, धनपति कुबेर विजय उषा काला, ईशान नीरज मनीषा शाह, सनत दीपक नीरू अजमेरा, महेन्द्र सोमेश सुधा ठग, ब्रह्मेन्द्र विनोदकुमार मंजू गोधा बने। जिनवाणी स्थापना रजनीश पाटनी ने की। मीडिया प्रभारी भागचंद पाटनी ने बताया कि इनके अतिरिक्त अनेक सामान्य इन्द्र इन्द्राणियों ने कल्याण मंदिर विधान के 8 अर्घों का भक्ति भाव के साथ सम्मेद शिखर पर समर्पित किया। इसके बाद कल्याण मंदिर विधान पर सौधर्मेन्द्र एवं अन्य इन्द्रों ने 8 अर्घ समर्पित किए। शाम को गुरू भक्ति आरती एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों का संचालन पंडित आशुतोष शास्त्री एवं पदमचंद काला ने किया। सांयकालीन भव्य आरती का सौभाग्य अशोककुमार सुशीला छाबड़ा को प्राप्त हुआ। कल्याण मंदिर विधान में सैकड़ों श्रावक पूजा में शामिल हुए। भगवान पार्श्वनाथ के निर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में 31 जुलाई को निर्वाण का लड्डू चढ़ाया जाएगा।

-भागचंद पाटनी मीडिया प्रभारी

समीचीन धर्म का पालन करने से व्यक्ति को आत्मज्ञान और मोक्ष की प्राप्ति होती है : आर्यिका सुरम्य मति माताजी

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे के पार्श्वनाथ चैताल्य में विराजमान आर्यिका सुरम्यमति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में आज पार्श्वनाथ चैत्याल्य में अभिषेक शांतिधारा अष्ट द्रव्यों से पूजा अर्चना के बाद आचार्य वर्धमान सागर महाराज, आचार्य सुंदर सागर महाराज, आचार्य चंद्रसागर महाराज सहित विभिन्न पूवार्चार्यों के अर्घ्य चढ़ाकर सुख समृद्धि की कामना की गई कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने बताया कि आज आर्यिका श्री ने अपनी मंगलमयी वाणी से श्रृद्धालुओं को संबोधित करते हुए समीचीन धर्म पर प्रकाश डालते हुए बताया कि गुरु वही श्रेष्ठ जो अपने शिष्य को उसकी गलती होने पर डांट लगाये इसी प्रकार माता-पिता भी वही श्रेष्ठ है जो अपने बच्चों को अच्छे संस्कार तो दे लेकिन साथ ही साथ गलती करने पर डांट फटकार भी लगाये। जिनेंद्र भगवान की भक्ति पुण्य से ही प्राप्त होती है वीतराग प्रभु कुछ देते नहीं है लेकिन उनकी भक्ति के बिना कुछ मिलता भी नहीं है ।जिनेंद्र प्रभु की भक्ति करने से आपके कार्य के सफल एवं पूर्ण होने के सयोंग बनते हैं कार्यक्रम में आर्यिका श्री ने समीचीन धर्म पर प्रकाश डालते हुए बताया समीचीन धर्म वह नहीं जहां चमत्कार मिल जाए और वहां पर सर झुका लो, समीचीन धर्म वह है जो कर्मों से मुक्त करा दे इस काल में समीचीन धर्म का उपदेश देने वाले दुर्लभ है, समीचीन धर्म का अर्थ है सही धर्म या उचित धर्म, यह एक ऐसा धर्म है जो न केवल व्यक्ति के लिए बल्कि समाज और पूरे ब्रह्मांड के लिए लाभकारी है समीचीन धर्म का पालन करने से व्यक्ति को आत्मज्ञान और मोक्ष की प्राप्ति होती है। समीचीन धर्म में सभी जीवों के प्रति प्रेम करुणा और कल्याण की भावना होती है,इसी कड़ी में आर्यिका श्री ने उत्तम सुख के बारे में प्रकाश डालते हुए बताया कि उत्तम सुख वह नहीं है जो सांसारिक जीव भोगों में ढूंढता है,उत्तम सुख वह है जो एक बार मिलने के बाद समाप्त नहीं होता आत्मा को अनुशासन में लेना ही उत्तम सुख है ,प्रवचन सुनकर आपके परिणाम में परिवर्तन आना चाहिए तब तो शास्त्र पढ़ना और सुनना सार्थक है जिनवाणी को सुनकर अंतरंग में उतरना चाहिए ।

आचार्य भगवन कहते हैं कि निमित्त के अभाव में क्रोध कषाय नहीं आता

परंतु निमित्त मिलने पर भी क्रोध कषाय उत्पन्न नहीं हो तो जिनवाणी सुनना सार्थक है कार्यक्रम में चातुर्मास समिति के मितेश लदाना ने बताया की पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में चल रहे 48 दिवसीय भक्तामर स्त्रोत पाठ एवं दीप अर्चना कार्यक्रम में महावीर प्रसाद अजमेरा परिवार की तरफ से दीप अर्चना की गई कार्यक्रम में महावीर झंडा, संतोष बजाज, पारस नला ,सुकुमार झंडा, सुशील कुलवाड़ा, अनिल कठमाणा, त्रिलोकचंद पीपलू ,पारस मोदी ,सुनील मोदी, मुकेश नला, दीपक मोदी,दीपक कलवाड़ा, उज्जवल झंडा, आशुतोष झंडा, अरुण गंगवाल, राहुल बजाज, तथा रितेश पीपलू सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मौजूद थे।

राजाबाबू गोधा
जैन महासभा मिडिया प्रवक्ता राजस्थान

वेद ज्ञान

वास्तविक संत वही जिसने सत्य को खोज लिया

जो मुक्त हो गया, जिसने सत्य को खोज लिया, वही संत है। इसीलिए संत को परमात्म स्वरूप माना गया है। संत हमारी भाषा और हमारी मजबूरियां अच्छी तरह समझता है। इसलिए जब तक वह संसार में (शरीर में) ठहरा हुआ है, तब तक हम उसका उपयोग सद्गुरु के रूप में करके अपना जीवन कृतार्थ कर सकते हैं। अब प्रश्न यह उठता है कि संत दुखी कैसे होता है? जो मुक्त हो गया, वह समस्त सुखों-दुखों को पार करके आनंद (परमानंद) को उपलब्ध हो चुका होता है। इसलिए पुनः सुख में उलझने का प्रश्न ही नहीं उठता। कारण यह कि सुख-दुख सांसारिक हैं और एक दूसरे के विलोम हैं, जबकि आनंद एक तीसरी स्थिति है, जो सुख-दुख के अतिक्रमण से प्राप्त होती है। वहां से वापसी असंभव है। फिर संत दुखी क्यों होता है? क्या वास्तव में उसके दुखी होने की बात सच है? जी हां यह सच है। संत दुखी होता है और वह तब तक दुखी रह सकता है, जब तक उसे सत्य उपलब्ध नहीं होता। इसका कारण यह है कि जब वह सत्य को उपलब्ध हो जाता, तब वह पाता है कि जिसे वह और पूरा संसार बाहर तलाश रहा है, वह तो उसके भीतर ही निहित है और प्रत्येक व्यक्ति उसे पा सकता है। वह (परमात्मा) उसका अधिकार है। तब वह अपार करुणा से भरकर कबीर, नानक, महात्मा बुद्ध और महावीर आदि की तरह प्रबल रूप से आह्लादित होने लगता है, जिससे पूरे जगत को इस विराट सत्य का पता चल सके। याद रखें, परमात्मा कोई व्यक्ति नहीं, बल्कि शक्ति है। इस अदृश्य शक्ति ने ही ब्रह्मांड का सृजन किया है। विभिन्न प्राणियों, जंतुओं और वनस्पतियों में इसी शक्ति का अंश निहित है। परमात्मा की हम अनुभूति कर सकते हैं, लेकिन इसके लिए हमें विकारों और नकारात्मक प्रवृत्तियों जैसे क्रोध, लालच, ईर्ष्या, अहंकार और असत्य आदि को त्यागना होगा, तभी हम अंतर्मन में उसकी अनुभूति कर सकेंगे। वस्तुतः परमात्मा गूंगे का गुड़ है। हम चाहते हैं कि सुबूत के तौर पर कोई परमात्मा को किसी वस्तु की तरह हमारी हथेली पर रख दे, जो असंभव है। परमात्मा हमारे भीतर निहित है। इसलिए हम ही उसे प्रकट कर सकते हैं।

संपादकीय

बदल रहा है सूचना प्रौद्योगिकी सेवा क्षेत्र

सूचना प्रौद्योगिकी सेवा क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने रविवार को घोषणा की कि कंपनी वैश्विक स्तर पर अपने मझोले और वरिष्ठ कर्मचारियों की संख्या में दो फीसदी की छंटनी करने जा रही है। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि कंपनियां खासकर सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियां कारोबारी माहौल में बदलाव को लेकर किस प्रकार प्रतिक्रिया दे रही हैं। टीसीएस की इस घोषणा का अर्थ है कि वह

अपने कुल 6 लाख कर्मचारियों में से करीब 12,000 की छंटनी करेगी। कंपनी ने अपने वक्तव्य में कहा कि वह स्वयं को भविष्य के लिए तैयार कर रही है। इसमें नई तकनीक के क्षेत्रों में निवेश और बड़े पैमाने पर आर्टिफिशल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल शामिल है। इनका इस्तेमाल कंपनी अपने उपभोक्ताओं के लिए भी करेगी और अपने स्तर पर भी। हालांकि यह आंशिक तौर पर चुनौतीपूर्ण कारोबारी माहौल की बदौलत भी हो सकता है लेकिन विश्लेषक इस कदम की व्याख्या एआई के कारण हो रहे ढांचागत बदलाव के रूप में कर रहे हैं। यकीनन कई बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियां मसलन माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम और इंटेल ने भी अपने-अपने कर्मचारियों की तादाद कम करने की योजनाओं की घोषणा की है। इस रुझान को समझने में चूक नहीं की जा सकती है। प्रौद्योगिकी जगत तेजी से बदल रहा है और एआई को अपनाने तथा उसकी वृद्धि के साथ न केवल प्रौद्योगिकी कंपनियां बल्कि तमाम क्षेत्रों के कारोबार इसे अपना रहे हैं। इस संदर्भ में टीसीएस प्रबंधन की सराहना की जानी चाहिए कि वह भविष्य की तैयारी कर रहा है और तेजी से बदलते माहौल में प्रासंगिक बने रहने के लिए कड़े निर्णय लेने को तैयार है। केवल वही संगठन मूल्यवर्धन करने, रोजगार तैयार करने और दीर्घावधि में वृद्धि में योगदान कर पाएंगे जो तेजी से बदलते तकनीकी और कारोबारी माहौल को अपनाने के लिए तैयार हों। यह बात भी ध्यान देने लायक है कि तकनीकी चुनौतियों के अलावा वैश्विक कारोबारी माहौल भी अनुकूल नहीं है अमेरिका द्वारा अपनाई गई नीतियों से उपजी अनिश्चितता दुनिया भर में निवेश को प्रभावित कर रही है। बहरहाल, एआई को अपनाने से कारोबार में बहुत परिवर्तन आ रहा है और भारत जैसे देश के लिए नीतिगत चुनौतियां भी उत्पन्न हो रही हैं क्योंकि भारत को बड़े पैमाने पर रोजगार तैयार करने की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए एक बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनी के शीर्ष अधिकारी ने हाल ही में इस समाचार पत्र से कहा कि वे ऐसे बिंदु पर पहुंच रहे हैं जहां एक ही मॉडल कई ऐसे काम में सहायता करेगा जिन्हें केवल इंसान कर सकते हों। एक बार जब कारोबार ऐसे मॉडल को अपना लेंगे तो वे बहुत बड़े पैमाने पर इंसानों की जगह लेने लगेंगे। परिणामों के मामले में एआई या स्वचालन को अपनाना संतुलन को श्रम के बजाय पूंजी के पक्ष में और अधिक झुका देगा। हालांकि कई क्षेत्रों में यह पहले ही हो रहा है लेकिन मध्यम अवधि में इसमें बहुत अधिक इजाफा होने वाला है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि भारत जैसे देश में नीतिगत स्तर पर इसे लेकर क्या प्रतिक्रिया दी जानी चाहिए? **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

कब रुकेंगी त्रासदियां

हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में 27 जुलाई रविवार को जो कुछ हुआ, वह किसी अप्रत्याशित घटना की तरह नहीं था। यह हादसा एक बार फिर से उस सच्चाई को सामने लाता है कि धार्मिक आस्था का उफान जब प्रशासनिक विवेक, स्थान की क्षमता और वैज्ञानिक भीड़ प्रबंधन पर भारी पड़ता है, तो आस्था का यह सैलाब त्रासदी में बदल सकता है। उस दिन मंदिर के मुख्य मार्ग की सीढ़ियों पर अचानक भगदड़ मच गई। कहा गया कि किसी ने यह अफवाह फैला दी कि रेलिंग में करंट दौड़ रहा है। नतीजा यह हुआ कि 8 श्रद्धालुओं की मौके पर मौत हो गई और लगभग 30 श्रद्धालु घायल हो गए। यह घटना हमें बताती है कि हम आज भी उन्हीं भूलों को दोहरा रहे हैं जिनका इतिहास दशकों पुराना है। मनसा देवी मंदिर पहाड़ी पर स्थित एक अत्यधिक लोकप्रिय शक्तिपीठ है, जहां सावन और नवरात्र जैसे पर्वों श्रद्धालुओं की भीड़ कई गुना बढ़ जाती है, लेकिन इस भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जो व्यवस्था होनी चाहिए, वह अक्सर उतनी ही कमजोर साबित होती है जितनी कि श्रद्धा प्रबल। यह पहली बार नहीं है जब हरिद्वार में ऐसा हुआ हो। इससे पहले 1986 के कुंभ मेले की भगदड़ में लगभग 200 लोगों की मृत्यु हुई थी। 2011 में हर की पैड़ी पर भी एक भगदड़ में 20 लोग मारे गए थे। इसी प्रकार 8 नवम्बर 2011 को ही शांतिकुंज के एक कार्यक्रम में भी भगदड़ में 20 श्रद्धालुओं की मौत और 30 घायल हो गए थे। इन हादसों का पैटर्न लगभग एक जैसा रहा है, अत्यधिक भीड़, संकरे रास्ते, अफवाहें और प्रशासनिक लापरवाही । भगदड़ हादसों के मामले में हरिद्वार अकेला नहीं है। देश के अन्य धार्मिक स्थलों पर भी इसी तरह की घटनाएं बार-बार होती रही हैं। 2024 में उत्तर प्रदेश के हाथरस में एक स्वयंभू बाबा के सत्संग में भगदड़ मची, जिसमें 121 लोगों की मृत्यु हो गई थी। 2022 में वैष्णो देवी मंदिर में भी नववर्ष के मौके पर भगदड़ मचने से 12 श्रद्धालुओं की जान गई। 2008 में हिमाचल प्रदेश के नैना देवी मंदिर में चट्टान खिसकने की अफवाह से भगदड़ मची थी जिसमें 162 लोग मारे गए थे। 2023 में रामनवमी के अवसर पर वहीं एक और भगदड़ हुई, जिसमें 36 श्रद्धालु मरे। इसी महीने मध्य प्रदेश के बागेश्वर धाम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव के दौरान टेंट गिरने और दीवार ढहने से दो लोगों की मौत हुई। ये आंकड़े महज संख्याएं नहीं, बल्कि व्यवस्थागत असफलताओं के प्रमाण हैं। प्रश्न यह है कि आखिर ये घटनाएं बार-बार क्यों घट रही हैं? एक कारण तो यह जरूर है कि भीड़ को आयोजन और आयोजन स्थल की सफलता का मापदंड माना जाता है। सरकारें और धार्मिक संस्थाएं जितनी अधिक भीड़ जुटा पाती हैं, उसे उतनी ही बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रचारित करती हैं। श्रद्धालुओं की संख्या को लाखों और करोड़ों में गिनाया जाता है, और यह मान लिया जाता है कि आस्था जितनी व्यापक होगी, उतनी ही मान्यता और चढ़ावा भी मिलेगा, परंतु इस मानसिकता में यह भूल जाती है कि किसी भी स्थल की एक सीमा होती है, जिसे कैरीइंग कैपेसिटी कहा जाता है। कैरीइंग कैपेसिटी का अर्थ है किसी स्थल की वह अधिकतम सीमा जहां तक वह पर्यावरणीय, भौगोलिक और संरचनात्मक रूप से भीड़ को सुरक्षित रूप से संभाल सकती है। मनसा देवी मंदिर जैसे स्थलों पर यह सीमा सीमित होती है, सीढ़ियां संकरी हैं, रेलिंग पुरानी हैं, और ऊपर-नीचे आने-जाने का मार्ग एक ही है।

आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

नई दिल्ली। अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ तरुणसागरम तीर्थ पर वर्षायोग हेतु विराजमान हैं । उनके सानिध्य में विविध धार्मिक कार्योंकम संपन्न हो रहें हैं, उसी श्रुंखला में उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए बताया कि

मन और मानव तब तक अच्छे हैं.. जब तक आपके अनुकूल है..!

मन, मानव और विचारों को शान्त करने के लिए साधना का मार्ग है। साधना का अर्थ है - मन, मानव और विचारों को बस में करना। जिसने मन और विचारों को साध लिया, उसने साधना के शिखर को छू लिया। मन्त्र, जाप, पूजा, पाठ, व्रत, नियम, संयम प्त मन और विचारों को साधने के पथ है। अपनी कमियों और बुराईयों को दूर करने का नाम ही साधना है जिसका मन पवित्र है, सरल है और ऊँचा है, उसका भाग्य भी अच्छा और ऊँचा है। जिसका मन और विचार खोटा है, ओछा है, बुराईयों से भरा है,, उसका भाग्य और भविष्य भी नीचा और अन्धकार मय है। संसार में सबसे ज्यादा पावरफुल मन ही है। मन ही सबसे बड़ा एटम बम है, विध्वंसक है, विस्फोटक है, बम स्वयं विस्फोट नहीं करता। जब मन का बटन दबता है, तब ही उस बम का बटन दबाया जाता है। जीवन में सब खेल मन और विचारों का है। इसलिए दोनों पर कन्ट्रोल करो, तभी ज़िन्दगी जीने का आनंद आयेगा... !!!

-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

क्रोध का शमन कर क्षमा का दीपक जलाएं हो जाएगा आत्मा का कल्याणः कुमुदलताजी म.सा.

महासाध्वी कुमुदलताजी म.सा. के सानिध्य में मनाया 22वें तीर्थंकर भगवान नेमीनाथजी का जन्मकल्याणक

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। जिसने क्रोध पर नियंत्रण कर लिया वह किसी भी योनी में जन्म ले एक न एक दिन मोक्ष जा सकता है। क्रोध करने पर सर्प बन सकते है तो क्रोध का त्याग कर समभाव की साधना करने पर सर्प जैसा तिर्यंच भी देवता भी बन भगवान के गले में विराज सकते है। परमात्मा महावीर सहित सभी तीर्थंकर भगवंत ने यहीं संदेश दिया कि क्रोध पर क्षमा का पानी डाले तो वह शांत हो जाएगा। जीवन में क्रोध का शमन कर क्षमा का दीपक जलाए आत्मा का कल्याण हो सकता हे। ये विचार अनुष्ठान आराधिका ज्योतिष चन्द्रिका महासाध्वी डॉ. कुमुदलताजी म.सा. ने आध्यात्मिक चातुर्मास आयोजन समिति द्वारा सुभाषनगर श्रीसंघ के तत्वावधान में दिवाकर कमला दरबार में मंगलवार को नाग पंचमी पर 22वें तीर्थंकर भगवान नेमीनाथ (अरष्टिनेमी) का जन्म कल्याणक के उपलक्ष्य में प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि नाग पंचमी पर भगवान नेमीनाथ का जन्म कल्याणक प्रसंग हमे बताता है कि जीवन में क्रोध पर कैसे नियंत्रण करना चाहिए। चण्डकौशिक सर्प के प्रसंग के माध्यम से जीवन में क्रोध से होने वाले नुकसान के बारे में चर्चा करते हुए बताया कि वह पूर्व भव में आचार्य था जिसकी क्रोध व आवेश में मृत्यु होने से सर्प योनि मिली। चण्डकौशिक सर्प के गुस्से को परमात्मा महावीर ने शांत किया। उसने महावीर के पैरों में डंक मारे तो खून की जगह दूध की धारा निकली। परमात्मा महावीर चण्डकौशिक सर्प को किसी तरह का नुकसान पहुंचाने की बजाय शांत होकर पूर्व भव याद दिलाते है। वह परमात्मा के चरणों में आता है तो जाति स्मरण ज्ञान हो जाता है। चण्डकौशिक छह माह की साधना के बाद आठवें देवलोक में चला जाता है। भारत ऐसा देश है जहां नाग को देवता, गाय ओर धरती को माता का दर्जा दिया जाता है।

हाथी, रस्सी और जैन समाज के आडंबर

नितिन जैन

संयोजक – जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा)
जिलाध्यक्ष – अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल
9215745871

एक दिन एक व्यक्ति ने महावत से पूछा – इतनी पतली सी रस्सी से यह हाथी कैसे बंधा हुआ है? यह चाहे तो एक झटके में इसे तोड़ सकता है!

महावत मुस्कराया और बोला –

जब यह हाथी छोटा था, तब इसे लोहे की मोटी जंजीर से बांधा गया था। उस समय इसने बहुत संघर्ष किया, बार-बार तोड़ने की कोशिश की, मगर नाकाम रहा। धीरे-धीरे इसके भीतर यह विश्वास बैठ गया कि यह बंधन कभी नहीं टूट सकता। अब जंजीर की जगह मामूली रस्सी है, मगर इसके मन की गुलामी अब भी वैसी ही है। यह अब कोशिश ही नहीं करता। इसे बंधा रहना मंजूर है। आज यही हाल हमारे जैन समाज का हो चला है। हमारे पुरखों ने जिस धर्म को तप, त्याग, आत्मचिंतन और विवेक से सींचा, आज वही धर्म आडंबरों की पतली रस्सियों से बंधा खड़ा है, और हमें लग रहा है कि ये रस्सियाँ बहुत मजबूत हैं। हमारे अंदर की ताकत, विचारों की स्वतंत्रता, सवाल करने की हिम्मत, विवेक से निर्णय लेने की क्षमता – सब कुछ दबा दिया गया है हमने परंपरा के नाम पर दिखावे की रस्सियों से खुद को बांध लिया है, और जैसे उस हाथी ने कभी जंजीर नहीं तोड़ पाने के कारण प्रयास ही छोड़ दिया था, वैसे ही हमने भी मौन स्वीकार कर लिया है कि ''जैसा चल रहा है, वैसा ही ठीक है।''

आज समाज में ये मान लिया गया है कि –

साधु भले ही किसी भी आचरण में हों, उनसे प्रश्न नहीं किया जा सकता, समारोह भले ही करोड़ों का खर्चा मांगें, धर्म के नाम पर जो हो रहा है, उसे आंख बंद कर स्वीकार करना चाहिए, मंच पर चढ़ते ही व्यक्ति महात्मा हो जाता है, और फिर उसके कर्मों पर सवाल 'पाप' बन जाता है।

क्या ये सचमुच धर्म है? या धर्म के नाम पर बनी रस्सियाँ हैं, जिन्होंने हमें मानसिक रूप से जकड़ लिया है?

याद रखिए –हाथी बंधा नहीं होता, वह केवल 'मान लेता' है कि वह बंधा है।

उसी तरह हम जैन भी गुलाम नहीं हैं, पर हमने सवाल न पूछने, विवेक न अपनाने, और आडंबरों के आगे चुप रहने की आदत डाल ली है। जब तक हम प्रयास नहीं करेंगे, जब तक हम अपने भीतर के विवेक को नहीं जगाएंगे – हम भी रस्सियों से बंधे हाथी ही बने रहेंगे।

अब समय आ गया है –

जब हम धर्म को उसके मूल स्वरूप में पहचानें,
जब हम साधु-संतों के चरित्र और आचरण को निडरता से परखें,
जब हम अपने बच्चों को आडंबर नहीं, आत्मचिंतन सिखाएँ,
और जब हम समाज के हर अनावश्यक तामझाम से पूछें – 'क्यों?'

धर्म कभी डर से नहीं चलता। धर्म विवेक से चलता है।

और जो धर्म केवल रस्मों, भावनात्मक ब्लैकमेल और चाटुकारिता से चले –

वह तो किसी हाथी को रस्सी से बाँधने जैसा ही है।

आइए –

हम प्रयास करें, हम विवेक जगाएं, हम बोलें, हम प्रश्न करें।

मुसीबतों की नहीं, अंधविश्वास की रस्सी भी टूटेगी।

बस कोशिश कभी बंद मत कीजिए।

मोक्ष सप्तमी पर होगा महाआयोजन

कौन बनेगा धर्मपति प्रतियोगिता का होगा आयोजन, 23 किलो का निर्वाण लड्डू होगा समर्पित। चिंता नहीं चिंतन करने से होगा आत्म कल्याण

सांगानेर. शाबाश इंडिया

चित्रकूट कॉलोनी जैन मंदिर में आचार्य श्री सुंदर सागर महाराज ससंघ का चतुर्मास चल रहा है। चातुर्मास के अंतर्गत गुरुवार 31 जुलाई को मुकुट सप्तमी (मोक्ष सप्तमी) महोत्सव भक्ति भाव से मनाया जाएगा। मंदिर समिति अध्यक्ष अनिल जैन काशीपुरा व मंत्री मूलचंद पाटनी ने बताया कि जैन धर्म के 23 वे तीर्थंकर भगवान पारसनाथ के मोक्ष कल्याणक दिवस पर आचार्य श्री के सानिध्य में मोक्ष सप्तमी महोत्सव मनाया जाएगा। संयोजक सुनील जैन ने बताया कि प्रात 6:30 बजे नित्य नियम अभिषेक एव शांतिधारा। प्रातः 7:15 बजे खडगासन भगवान पारसनाथ प्रतिमा का मस्तकाभिषेक, पंचामृत अभिषेक एव शांतिधारा के बाद भगवान पारसनाथ का संगीतमय पूजन विधान होगा । तत्पश्चात मोक्ष कल्याणक पर भगवान को 23,किलो का निर्वाण लड्डू चढ़ाया जाएगा एवं समाजजनों की ओर से भी 23 निर्वाण लड्डू चढ़ाए जाएंगे तत्पश्चात आचार्य श्री के सुंदर मंगल प्रवचन होंगे एवं प्रातः 10 बजे आहार चर्या होगी।

सायंकाल होगा कौन बनेगा धर्मपति प्रतियोगिता का आयोजन: नवयुवक मंडल के अध्यक्ष सुरेंद्र सोगानी एडवोकेट व मंत्री मनीष पाटनी ने बताया कि सायंकाल 6:30 बजे आगमयुक्त शंका समाधान आचार्य श्री के मुखारविंद से होगा। इसके बाद श्री महावीर नवयुवक मंडल की ओर से कौन बनेगा धर्मपति प्रतियोगिता का आयोजन होगा जिसमें धर्म से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे एवं पुरस्कृत किया जायेगा।

चिंता करने से नहीं चिंतन करने होगा आत्म कल्याण: आचार्य सुंदर सागर महाराज ने कहा कि मोक्ष मार्ग पर बढ़ने के लिए उपदेश दिया जाता है पर उसपर चिंतन नहीं किया जाता है। जीवन का आत्म कल्याण चिंता करने से नहीं अपितु चिंतन करने से होगा। उन्होंने कहा कि जिन पर गुरु और प्रभु की कृपा हो जाती है वो कभी दुखी नहीं हो सकता है । जिन पर गुरु व प्रभु आनंदित हो जाए उनकी बेड़ा पार हो जाता है। आचार्य श्री ने कहा कि आयु बंध ही अगली पर्याय का निर्धारण करता है। आयुबंध कभी नहीं बदलता है अपितु गति बंध बदलता रहता है । आयु बंध चार प्रकार का होता है नरक आयु, देव आयु, मनुष्य आयु एवं त्रियंच आयु। प्रवचन में कहा कि अच्छी आयु का बंध अच्छे भावों से होता है अच्छे कर्मों से होता है । हम कर्मभूमि पर रहते है और निर्वाण की प्राप्ति कर्म भूमि से हो सकती है। भोग भूमि केवल भोग के लिए होती है परंतु कर्म भूमि पर संयम धारण कर कर्मों का विनाश किया जाता है । जैसा कर्म करोगे वैसे ही फल की प्राप्ति होगी । इसलिए निर्वाण का लक्ष्य रखकर ही मनुष्य को कर्म करने चाहिए।

भारतीय भाषा परिषद में प्रेमचंद जयंती का आयोजन

प्रेमचंद का साहित्य भारत के निर्माण का सपना है : शंभुनाथ

कोलकाता. शाबाश इंडिया

भारतीय भाषा परिषद और सांस्कृतिक पुनर्निर्माण मिशन द्वारा प्रेमचंद जयंती के अवसर पर साहित्य संवाद का आयोजन किया गया। प्रेमचन्द का भारत विषय पर बोलते हुए परिषद के निदेशक डॉ. शंभुनाथ ने कहा कि आज की सबसे बड़ी चिंता यह है कि आज भारत की गूँज कम हो गई है जबकि धर्म, जातीयता, प्रांतीयता की गूँज बढ़ रही है। आज चारों ओर आर्थिक उदारीकरण और सांस्कृतिक अनुदारीकरण का चलन बढ़ रहा है। प्रेमचंद ने जिस भारत की कल्पना की थी, उस भारत के निर्माण का काम अभी भी बाकी है और इसे आप नौजवानों को ही आगे बढ़ कर करना है। इस अवसर पर चर्चित कवि आनंद गुप्ता ने प्रेम में रेत होना, जुबली ब्रिज, रोता हुआ बच्चा, प्रेम में पड़ी लड़की, सावन का प्रेमपत्र, राहुल शर्मा ने दीवारों से पूछो, गाजा, रिपोर्ट, फुटपाथ, मुक्तिबोध और मधु सिंह ने टाला का पुल, खालीपन, प्रश्न, आदिवासी, सुनो लड़कियों जैसी कविताओं का पाठ किया। इनकी कविताओं में स्त्री, प्रेम, प्रकृति और समाज के अलग-अलग शेड्स दिखाई दिए। राहुल शर्मा ने 'गाजा', 'मुक्तिबोध', 'फुटपाथ,' 'रिपोर्ट' आदि कविताएं सुनाईं। तीनों आमंत्रित कवियों ने कविता की रचना प्रक्रिया, कवि -दृष्टि, अनुभूति और संवेदना के साथ लेखकीय प्रतिबद्धता और भूमिका संबंधी प्रश्नों पर अपना पक्ष रखा। संवाद सत्र के अंतर्गत कवियों से मृत्युंजय श्रीवास्तव, अनीता राय, सूर्य देव रॉय, सुषमा कुमारी, चंदन भगत, फरहान अजीज और संजना जायसवाल ने सवाल किया। समीक्षा करते हुए वरिष्ठ कवयित्री मंजु श्रीवास्तव ने कहा कि कविता संवादहीनता के इस दौर में हमें संवाद करना सिखाती है और समाज में हो रहे अन्याय के खिलाफ हमें मुखर होना भी सिखाती है। डॉ.इतु सिंह के कहा कि कविता लिखी जाने के बाद कवि की निजी ना होकर सबकी हो जाती है। कविताएं हमारे समय की विविधताओं की दस्तावेज हैं। मॉडरेटर डॉ. संजय जायसवाल ने कहा कि प्रेमचंद का साहित्य भारतीयता का साहित्य है। वे साहित्य में संवेदना, बुद्धिपरकता और मनुष्यता का त्रिभुज निर्मित करते हैं। साहित्य संवाद का उद्देश्य है वरिष्ठ और युवा पीढ़ी के बीच एक सृजनात्मक संवाद स्थापित करना। कवि परिचय के रूप में चंदन भगत, आशुतोष राउत और प्रज्ञा झा ने काव्य पाठ किया। इस अवसर पर मिशन के संरक्षक रामनिवास द्विवेदी, कवि राज्यवर्धन,प्रियंकर पालीवाल,सेराज खान बातिश,सुरेश शॉ, पद्माकर व्यास, डॉ.सुनील कुमार शर्मा, हिंदी अधिकारी राजेश साव,डॉ.आदित्य गिरी, डॉ.आदित्य विक्रम सिंह, उमा डगमगान, अमरजीत पंडित, मंटू दास, धीरज केशरी, डॉ.सुमन शर्मा, संजय दास, प्रदीप धानुक,डॉ.नवनीता दास, मिथिलेश साव, एकता हेला, डॉ. इबरार खान, लिली साह, डॉ.रमाशंकर सिंह, रूपेश यादव, सुषमा कुमारी, प्रगति दूबे, सपना खरवार,आकांक्षा, शुभस्वप्ना मुखर्जी ,कंचन भगत, राजेश,और अनिल शाह समेत दर्जनों साहित्यप्रेमी मौजूद थे। धन्यवाद ज्ञापन भारतीय भाषा परिषद की विमला पोद्दार ने दिया।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप आदिनाथ की सोनागिर की यात्रा सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप आदिनाथ जयपुर के सदस्यो ने 28 जुलाई को सोनागिर सिद्ध क्षेत्र की वन्दना की ।ग्रुप के 19 सदस्य जयपुर से 27 जुलाई को रवाना हुए थे इसके बाद सभी सदस्यों द्वारा शान्तीनाथ भगवान की मण्डल पर पूजा की पूजा के पश्चात ग्रुप के अध्यक्ष निर्मल कासलीवाल का 75 वा जन्म दिवस मनाया। इस यात्रा मे ग्रुप के निर्वतमान अध्यक्ष कैलाश बिन्दायका, संरक्षक नरेंद्र ठोलिया, उपाध्यक्ष राजेन्द्र पाण्ड्या ,सचिव विमल प्रकाश कोठारी,सयुक्त सचिव बाबूलाल बोहरा कोषाध्यक्ष रोशन लाल जैन , संगठन सचिव दिलीप कुमार पाण्ड्या, भ्रमण सचिव हरक चन्द बडज्याता (हमीरपुर) एव प्रचार पसार सचिव कमल लुहाडिया भी शामील हुए । कार्यक्रम यात्रा के संयोजक कैलाश बिन्दायका, रोशन लाल जैन थे। **निर्मल कासलीवाल (अध्यक्ष)**

आचार्य ज्ञान सागर युवा मंच के चुनाव निर्विरोध सम्पन्न

27 वर्ष बाद संस्था के नाम का हुआ नवीनीकरण

सीकर. शाबाश इंडिया। स्थानीय बजाज रोड़ स्थित जैन भवन में रविवार को कार्यकारिणी के चुनाव संपन्न हुए। चुनाव अधिकारी संजय बड़जात्या की देख-रेख में युवा मंच के चुनाव निर्विरोध संपन्न हुए। अध्यक्ष विकास लुहाड़िया, उपाध्यक्ष रितेश रारा व अमित दीवान , मंत्री राजेश मानजिका, उपमंत्री रवि रारा व अभिषेक सेठी ,कोषाध्यक्ष मोहित काला , सांस्कृतिक मंत्री कमल पहाड़िया व अंशु काला, प्रचार मंत्री निखिल अजमेरा को मनोनीत किया गया। मंच के नवीन सदस्य विवेक पाटोदी ने बताया कि अन्य मनोनीत कार्यकारिणी सदस्यों में अमित पिराका , सूरज काला, दिलीप सेठी, मनोज लुहाड़िया , नरेश छाबड़ा , सिद्धार्थ दीवान का चयन किया गया । मंच से जुड़े नवीन सदस्य विवेक पाटोदी को मंच में जुड़ने के साथ ही मनोनीत कार्यकारिणी सदस्य के रूप में चयन किया गया। चुनाव प्रक्रिया से पूर्व सर्वसम्मति से मंच का नाम परिवर्तन कर ''आचार्य ज्ञानसागर सेवा मंच'' किया गया, जिसका उद्देश्य शिक्षा , चिकित्सा और समाजसेवा प्रमुख रूप से होगा। सेवा मंच से जुड़े वरिष्ठ सदस्य अनुभव सेठी, मनोज बज, देवेन्द्र छाबड़ा (बॉबी) को हाल ही में जैन एजूकेशन ट्रस्ट के ट्रस्टमंडल चुनावों में विजय प्राप्त हुई थी । चुनावों से पूर्व उनका स्वागत संरक्षक सुवालाल बड़जात्या द्वारा किया गया। मंच के नवीन संरक्षक के रूप में संजय छाबड़ा पालवास वाले प्रवासी गुवाहाटी के नाम की घोषणा की गई।

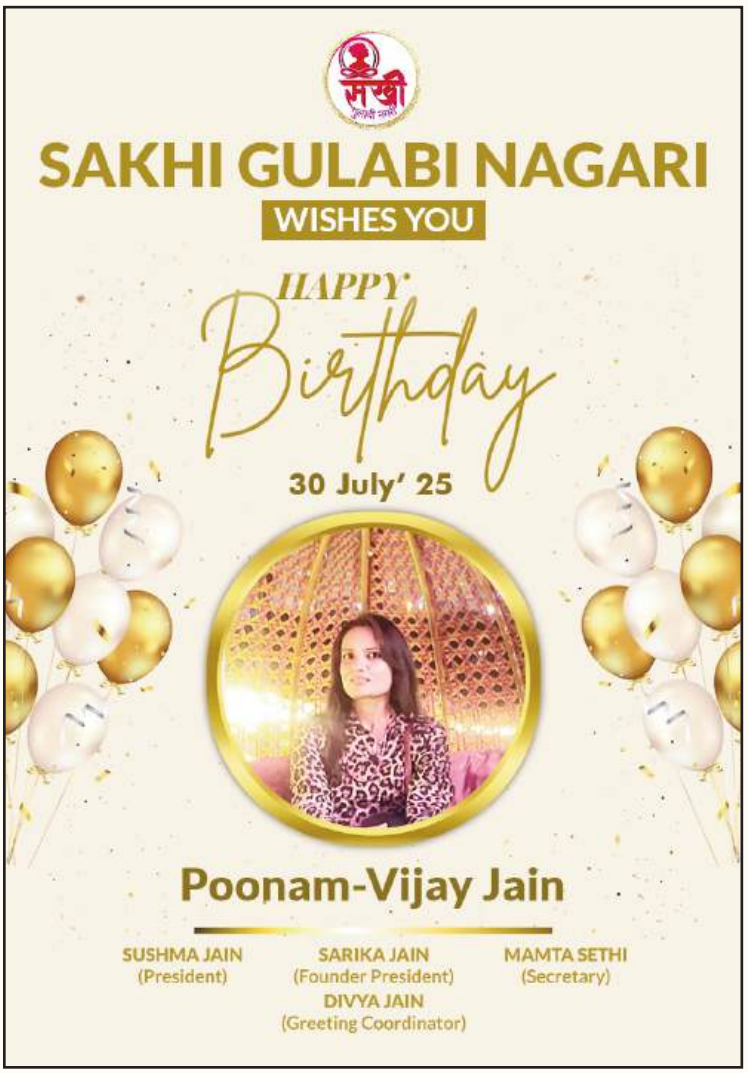

विचारशीलता ही सच्ची बुद्धिमानी है: महासती विद्याश्री

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

बुद्धिमान वही है, जो सोच-समझकर बोले और विवेकपूर्वक आचरण करे मंगलवार को शांतिभवन में आयोजित धर्मसभा में महासती विद्याश्री ने श्रद्धेय रोड़ीदासजी महाराज की पुण्यतिथि के पांचवें दिवस पर व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बुद्धिमान व्यक्ति की पहचान केवल शब्दों से नहीं, बल्कि उसके निर्णय, व्यवहार और दूरदर्शिता से होती है। इस अवसर पर साध्वी हर्षश्री और साध्वी जयश्री ने राजा भरत के जीवन प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि सच्चा शासक वही होता है, जो सजा देने से पहले समझाइश का प्रयास करे। न्याय में जल्दबाजी नहीं, विवेक आवश्यक होता है। उन्होंने बताया कि एक बार राजा भरत के दरबार में एक व्यक्ति पर दोष सिद्ध किए बिना दंड की माँग की गई, लेकिन राजा ने तत्क्षण सजा नहीं दी। पहले उन्होंने परिस्थिति की पूरी जानकारी ली, दोषी की मानसिकता को समझा और फिर न्यायोचित निर्णय लिया। यह प्रसंग हमें सिखाता है कि जीवन में किसी के प्रति भी निर्णय लेने से पहले सोच-विचार आवश्यक है, क्योंकि निर्दोष को दंड देना सबसे बड़ा अन्याय होता है। इस दौरान उपप्रवर्तिनी विजय प्रभा की प्रेरणा से पुण्य स्मृति के उपलक्ष्य में पांच उपवास के अनेक श्रावक श्राविकाओं ने प्रत्याख्यान लिए। शांतिभवन मंत्री नवरतनमल भलावत ने जानकारी दी कि धर्मसभा में शांतिभवन अध्यक्ष राजेंद्र चीपड़, कंवरलाल सूरिया, सुजानमल भलावत, सुनील कोठारी, अरुण सांड, हस्तीमल भलावत, प्रदीप चौधरी मनीष बड़ोला, पंकज डांगी तथा राजस्थान जैन कॉन्फ्रेंस के प्रांतीय अध्यक्ष आनंद चपलोत सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालुजन उपस्थित रहे। **-प्रवक्ता निलिष्का जैन**

श्री पार्श्वनाथ महिला संभाग थड़ी मार्केट, मानसरोवर द्वारा लहरिया महोत्सव मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ महिला संभाग थड़ी मार्केट, मानसरोवर के द्वारा श्रमणी आर्यिका श्री 105 प्रशांतनंदनी माताजी के सानिध्य में सावनी तीज महोत्सव मनाया गया। अध्यक्ष नीता जैन ने बताया इसमें 150महिलाओं ने भाग लिया। समिति की मंत्री भंवरी देवी ने बताया प्रोग्राम का प्रारंभ मंगलाचरण के द्वारा किया गया। पूज्य आर्यिका माता जी के उद्बबोधन के पश्चात धार्मिक हाऊजी, अंतराक्षी व गेम्स खिलाये गए। कार्यक्रम का संचालन मीना सेठी ने किया ।सावन की रानी श्रीमती रश्मि जैन बनी । सभी ने सावन के गानों पर डांस कर मस्ती की। अन्त में पारितोषिक वितरण और सहभोज के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

जन्माष्टमी पर होने वाले जयपुर के सबसे बड़े कान्हा रैंप शो का हुआ पोस्टर विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

शहर मे जन्माष्टमी के उपलक्ष मे फ्रेंड्स फॉरेवर क्लब और लायंस क्लब जयपुर यूनिक के सयुक्त तत्वावधान एवं सफारी ग्रुप प्रेजेंट्स 'नटखट कान्हा' एक यूनिक रैंप शो रविवार 17 अगस्त 2025 को होटल प्राइम सफारी मे होने जा रहा है, जिसका पोस्टर विमोचन सिविल लाइन्स विधायक गोपाल शर्मा ने प्रमोद गोयल, पवन गोयल, जी. डी. माहेश्वरी, शिल्पी अग्रवाल, मीना जैन, भावना बंसल, चारु गुप्ता, तरुण जैन,अरुण जैन और कार्यक्रम आयोजक विनीत जैन, राघव गोयल, आशीष गोयल, अंजलि जैन, संदीप अग्रवाल, प्रणव जैन, अमित पाटनी और अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति मे होटल प्राइम सफारी मे किया गया। कार्यक्रम आयोजक विनीत जैन और राघव गोयल ने बताया की इस कार्यक्रम मे 2 केटेगरी बनाई गई है जिसमे पहली बार 0 से 5 साल की उम्र के बच्चे राधा या कान्हा जो अपनी माँ यसोदा के रूप मे साथ मे सजधज कर रैंप वाक करेंगी जो की अपने आप मे ही एक अलग अनुभव होगा और पहली बार ऐसा शौ होगा। इसके अलावा 5 से 12 साल के बच्चो का एक अलग ग्रुप होगा जिसमे पार्टिसिपेट करने वाले बच्चे कान्हा और राधा बन कर रैंप वाक करेंगे। दोनों ही केटेगरी मे विनर को 11000/- और रनरअप को 5100/- का नगद पुरस्कार और गिफ्ट , सर्टिफिकेट ट्रॉफी दी जाएगी। दोनों केटेगरी मे 3- 3 सांत्वना पुरस्कार दिए जायेंगे। कार्यक्रम संचालक अंजलि जैन, प्रणव जैन, संदीप अग्रवाल, अमित पाटनी, आशीष गोयल ने बताया की सभी पार्टिसिपेट करने वाले नन्हे नन्हे राधा और कान्हा को गिफ्ट हेम्पर (कॉटन कम्फर्टर, स्वस्तिक क्रिएशन की तरफ से),मोमेंटो, सर्टिफिकेट, फोटो शूट,और ढेर सारे सरप्राइज गिफ्ट दिए जायेंगे। कार्यक्रम संयोजक भावना बंसल,शिल्पी अग्रवाल, चारु गुप्ता, मीना जैन,सारिका जैन,अमृता जी ,राजा शर्मा, तरुण जैन, अंकुर अग्रवाल ने बताया कि इस कार्यक्रम मे वृन्दावन मे राधा कान्हा की अटखेलिया, मटकी फोड़ नाट्य, कृष्ण सामूहिक आरती, सभी पार्टिसिपेंट के लिए फोटो शूट, सेल्फी जोन और लजीज व्यंजनों का तड़का होगा। इस कार्यक्रम के सूत्रधार पवन गोयल, विनीत जैन, राघव गोयल ने बताया कि इस कार्यक्रम मे जयपुर शहर की जानी मानी हस्तिया शिरकत करेंगी। लायंस क्लब के अशोक ,राजेंद्र और एस. जी. एम. आउटडोर के संस्थापाक जी. डी. माहेश्वरी के अनुसार ये जयपुर शहर का एक ऐतिहासिक कार्यक्रम होने जा रहा है।

उपाध्याय श्री ऊर्जयंत सागर जी का अवतरण दिवस मनाएगा मानसरोवर

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर में विराजमान परम पूज्य उपाध्याय श्री ऊर्जयंत सागर जी महाराज गुरु 49 वे अवतरण दिवस पर मानसरोवर समाज द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। समाज समिति के अध्यक्ष एमपी जैन ने बताया कि परम पूज्य उपाध्याय श्री के अवतरण दिवस 31 जुलाई 2025 को श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर में विराजमान भगवान पारसनाथ जी के मोक्ष कल्याण के पावन अवसर पर 23 किलो के निर्वाण लाडू को अर्पित करके कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ होगा। समाज समिति के संगठन मंत्री विनेश सोगानी ने बताया कि परम पूज्य आचार्य गुरुवर वात्सल्य रत्नाकर विमल सागर जी महाराज के अंतिम दीक्षित शिष्य परम पूज्य गुरुदेव उपाध्याय श्री ऊर्जयंत सागर जी मुनि महाराज के अवतरण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में 30 जुलाई 2025 को विभिन्न विद्यालयों में पाठ्यक्रम सामग्री एवं भोजन वितरण का कार्यक्रम रखा गया है। समाज समिति के मंत्री ज्ञान बिलाला ने बताया कि 31 जुलाई 2025 को प्रातः दैनिक अभिषेक एवं शांति धारा के पश्चात भगवान पारसनाथ जी के मोक्ष कल्याण के पावन अवसर पर निर्वाण लाडू अर्पित किया जाएगा इसके पश्चात विभिन्न गौशालाओं में गौ सेवा चारा वितरण का कार्यक्रम रखा गया है।

नेमीनाथ प्रभु के आदर्शों से करें जीवन का निर्माणः युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

नेमीनाथ जन्मकल्याणक महोत्सव पर जाप का आयोजन

पनवेल. शाबाश इंडिया

जो जीवन में करुणा से निर्णय लेता है, वही सच्चे मंगल का अधिकारी बनता है। यह विचार श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी ने मंगलवार को पनवेल जैन स्थानक में आयोजित 22वें तीर्थंकर भगवान नेमीनाथ के जन्मकल्याणक महोत्सव की धर्मसभा में व्यक्त किए। युवाचार्यश्री ने कहा कि प्रभु नेमीनाथ द्वारा विवाह के मंडप से लौट जाना केवल एक ऐतिहासिक प्रसंग नहीं, बल्कि आज भी जीवन को दिशा देने वाली अद्वितीय प्रेरणा है। उन्होंने हजारों पशुओं की पीड़ा को देखकर जो वैराग्य का निर्णय लिया, वह संवेदना की पराकाष्ठा और आत्मचेतना की परिपक्वता का प्रतीक है। युवाचार्यश्री ने श्रेणिक राजा और अनाथ मुनि के चारित्र को उदाहरण स्वरूप प्रस्तुत करते हुए कहा कि सच्चा विवेकी वही है, जो असामान्य के बीच असली मूल्य को पहचान सके। तरुण अवस्था में संयम का वरण करने वाला ही युगांतरकारी बदलाव का वाहक बनता है। उन्होंने कहा कि यदि आज का समाज प्रभु नेमीनाथ की करुणा को समझ ले, तो हिंसा की प्रवृत्तियाँ रुकेगी और हर उत्सव सच्चे मंगल का प्रतीक बन जाएगा। विवाह, आयोजनों, सजावट और प्रकाश जैसे अवसरों में अदृश्य हिंसा की ओर संकेत करते हुए युवाचार्यश्री ने आह्वान किया कि जीवदया को जीवन का संकल्प बनाना ही यथार्थ मंगल है। धर्मसभा के अवसर पर भगवान नेमीनाथ का जाप जोड़ी रूप में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने श्रद्धा से भाग लिया। सभा का संचालन अशोक बोहरा ने किया। इस दौरान उदयपुर अशोक नगर स्थित लोकाशाह भवन के संरक्षक ओकसिंह सिरोया एवं अध्यक्ष कांतिलाल जैन ने वर्ष 2026 के चातुर्मास उदयपुर में करने हेतु युवाचार्य प्रवर से विनती प्रस्तुत की। धर्मसभा में मुंबई मेवाड़ संघ के चतरलाल लोढ़ा, पीपाड़. से ललित कोठारी सहित विभिन्न क्षेत्रों से पधारे अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहें। -**प्रवक्ता सुनिल चपलोत**

जीवन को बचाने के लिए अपने मन को धर्म में लगाने का प्रयत्न करें : आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज

टोंक. शाबाश इंडिया

आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहां की आप गृहस्थ हो रागी द्वेषी हो लेकिन मंदिर में भगवान के सामने इस तरह की वेशभूषा का ध्यान रखें, धर्म तथा राग द्वेष को कम करने के लिए महामंत्र की जाप्य करना चाहिए। इस बात को भी ध्यान देना पड़ेगा कि कौन से कार्य को नहीं करें जो कार्य घर पर करते हो लेकिन मंदिर या जिनालय में आकर वह काम ना करें । ऐसे वस्त्र आदि भी पहनकर मंदिर या जिनालयों में आ जाते हैं उसमें बहुत बुरा लगता है। राजेश पंचोलिया अनुसार आचार्य श्री ने कहा कि जो आजकल की वेश भूषा है उसको मंदिरों मे पहन कर नहीं आवे, विशेष रूप से महिला एवं बालिकाएं शरीर को ढककर आए एवं पुरुष भी मंदिर में अभिषेक के समय अपने सर को ढक कर आए और मंदिर में जब तक रहे तब तक सर को ढक के रखे । मंदिर में मोबाइल का उपयोग नहीं करे। जो खिलौने लेकर आते हैं वह मोबाइल को घर पर ही रख कर आए इसका विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए । यह नियम लेना चाहिए कि जब तक हम मंदिर में रहेंगे तब तक इसका उपयोग नहीं करेंगे । लोग यह समझ नहीं पाते इससे पुण्यार्जन तो कम होगा लेकिन पापार्जन अधिक होगा। मनुष्य को राग एवं द्वेष कम करने के लिए महामंत्र की जाप्य अवश्य करना चाहिए । इससे पूर्व आर्यिका पूर्णिमा मति माताजी का प्रवचन हुआ । जैन धर्म प्रचारक पवन कंटान व विकास जागीरदार अनुसार धर्म सभा से पूर्व श्रीजी एवं आचार्य शांतिसागर, आचार्य वीर सागर, आचार्य शिव सागर, आचार्य धर्म सागर, आचार्य अजीत सागर महाराज के चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन एवं जिनवाणी भेंट जैन कॉलोनी, नसिया, निवाई से पधारे इंद्र इंद्राणियो पिंकू चैनपुरा,दिलीप बगडी, पवन बोहरा, सुनील, मुकेश, पदम, अशोक , ज्ञान अनिल, मीनू बगडी,पल्लवी चैनपुरा,सीमा सेदरीया,मनीषा पहाड़ी, नीलू लुहारा,सुनीता बोहरा ,रिंकी बोहरा अमिता, अर्चना,

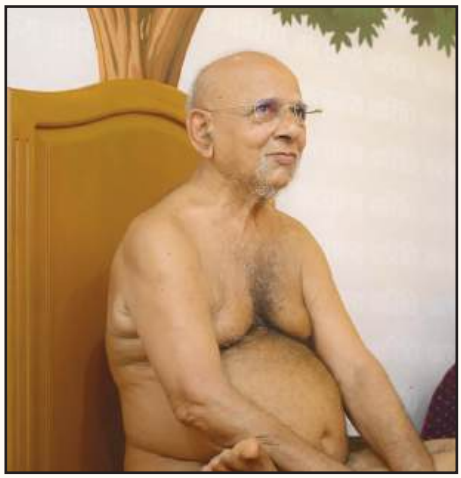

रेखा,रानी, इंदिरा आदि द्वारा कर बड़े भक्ति भाव से आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज की अष्ट द्रव भव्य रूप से सुशोभित भजनों से भक्ति नृत्य करते हुए अर्घ्य समर्पित किए। जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर पारसनाथ भगवान का मोक्ष कल्याण पर्व 31 जुलाई को श्री दिगंबर जैन नसिया टोंक में आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज के ससंघ के सानिध्य में बड़े हर्ष उल्लास के साथ मनाया जाएगा समाज के अध्यक्ष भागचंद फूलेता एवं कार्यवाहक अध्यक्ष धर्मचंद दाखिया ने बताया कि मोक्ष कल्याणक महोत्सव पर प्रातः काल अभिषेक शांतिधारा के पश्चात पारसनाथ भगवान की विशेष पूजा अर्चना की जाएगी तत्पश्चात श्रद्धालुओं द्वारा निर्माण कांड बोलकर निर्वाण लड्डू चढ़ाया जाएगा जिसकी तैयारियां जैन नसिया में जोर-जोर से चल रही है। इस मौके पर राजेश आरटी, सुरेश मलारना, रमेश काला, राजेश सर्राफ, कमल सर्राफ, विकास अतार, सुनील सर्राफ, नीटू छामुनिया, ओम ककोड़, अंकुर पाटनी, सुरेंद्र अजमेरा, महावीर पासरोटियां, महावीर दाखिया, विनोद कल्ली, ताराचंद बड़जात्या आदि मौजूद रहे ।

मजदूर कुछ पैसो के लिए मजदूरी कर महल खड़े कर देता है : मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज

यादव समाज ने जिज्ञासा समाधान में पहुंचकर आशीर्वाद प्राप्त किया

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

मजदूर कुछ पैसो के लिए मजदूरी कर महल खड़े कर देता है वह चाह कर भी महल का सुख प्राप्त नहीं कर सकता संसारी सुख आत्मा के नहीं है ये पोदगलिक है एक मजदुर काम करता है वह स्वयं का नहीं होता ऐसे ही बाहरी सुख आत्मा के अंदर नहीं आ सकता।एक नारी पीहर छोड़ कर आईं उनको भी गोत्र बदलना पड़ती है ऐसे ही इस आत्मा को बाहरी सुख को छोड़ कर अंतर सुख के लिए अपने गोत्र को भी बदलता पड़ता है। कन्या स्वतंत्रता रूप से जीवन व्यतीत नहीं कर सकती नारी की जिंदगी की सबसे बड़ी कमी है कि जिस मां बाप से जन्म लिया उसे घर छोड़कर जाना पड़ता है ये जिंदगी की सबसे बड़ी सजा है तुम चाहे पराधीन कहो ब्रह्ममी सुंदरी कहती हैं कि मुझे तीर्थंकर प्रभु का कुल मिला गोत्र मिला नहीं मैं अपने कुल को नहीं छोडूंगी और आजीवन ब्रह्मचारी ब्रत ग्रहण कर लेती है कैसे मिस्त्री ने मेहनत कर कर के महल खड़ा किया कुछ पैसे मिले जब जब हम दुसरे का कार्य करेंगे तब आप पेट भरते हैं उक्त आश्य केउद्गार मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने सुभाष गंज मैदान में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

हमारे भाग्य से इस अंचल को गुरु देव का चरण सान्निध्य मिला है : पूर्व मंत्री ब्रजेन्द्र सिंह यादव

इसके पहले यादव समाज श्री कृष्ण संस्थान के सैकड़ों भक्तों ने जिज्ञासा समाधान में भाग लेकर मुनिश्री को श्री फल भेंट किए।इस मौके मध्यप्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री विधायक राव ब्रजेन्द्र सिंह यादव ने कहा हम सभी का सौभाग्य है कि हमें ऐसे महासंत की पावन चरण रज मिल रही है जिनकी वाणी सुनने के लिए देशभर की जनता लालयित रहती है हम सब को परम पूज्य की देशना सुनने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। इस दौरान मध्यप्रदेश महासभा के मंत्री रामवावू मामा जिला महासभा अध्यक्ष के पी यादव भाजपा जिला महामंत्री नंद लाल यादव सहित अन्य प्रमुख जनो ने मुनिश्री को श्री फल भेंट किए। इनका सम्मान जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई मंत्री विजय धुर्रा संयोजक उमेश सिघई विपिन सिंघई सहित अन्य प्रमुख जनो ने किया। जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज के सान्निध्य में भगवान श्री पार्श्वनाथ स्वामी का निर्वाण कल्याणक महोत्सव विभिन्न कार्यक्रम के साथ भव्य रूप में सुभाष गंज मैदान में सम्मेद शिखर जी भी भव्य रचना कर मनाया जायेगा । इस दौरान लाडू समर्पण का कार्यक्रम प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भइया के मंत्रोच्चार के साथ होगा।

बुराई को खोजकर अच्छाई को जीवन में लायें

मुनि पुंगव ने कहा कि हमें गंदगी से मतलब नहीं है गंदगी इसके जीवन में किसने प्रवेश कराई है बुराई जहां से आई है उस दंडित करो और अच्छाई जहां से आई है उसे पुरुस्कृत करो।तुम बुराईयों के भंडार बने रहना, एक सावधानी रखना- मेरी जिंदगी में एक बुराई है लेकिन मैं सावधान रहूँगा, मैं ये बुराई किसी की जिंदगी में नहीं आने दूँगा, ये बुराई मेरे बेटे में, मेरे परिवार में नहीं आएगी। स्वयं रात में खाता है और मैं उसको भी खिला कर रहूंगा जो रात में नहीं खाता, ये है महापापी। वह पापी है लेकिन दूसरे से कहता है कि तुम्हे रात में नहीं खाना, रात में खाना बहुत गंदी बात है, मेरी दुर्गति होगी लेकिन वो बेटे को बचाता है।ऐसे व्यक्ति भली नरक जाएंगे, उसको माफ तो नहीं किया जाएगा क्योंकि उसने गंदा कार्य किया है लेकिन नरक से निकलते ही वो तीर्थंकर, राजा, चक्रवर्ती, घर परिवार का मुखिया बनेगा।

दुनिया वे महापापी होते हैं जो कहें कि मैं सुखी नहीं तो कोई सुखी नही रहेगा

मुनि पुंगव ने कहा कि यह वस्तु मुझे नहीं मिली तो किसी को भी नहीं मिलेगी मैं सुखी नहीं तो दुनिया मे कोई सुखी नहीं होना चाहिए ये विचार वाले महापापी होते है स्वयं नहीं पा पाएंगे तो दूसरे को भी नहीं पाने देंगे आपको नींद नहीं आ रही है, सिर दर्द कर रहा है और पड़ोस में कोई खरार्टे लेकर सो रहा है तो तुम्हे कैसा लग रहा है, यदि एक थप्पड़ मारने का मन कर रहा है, समझ लेना तुम महापापी हो, जाओ तुम्हारा सिरदर्द कभी ठीक नहीं होगा क्योंकि तुम दुखी हो और दूसरे को सुखी नहीं देख पा रहे हो। अब मैं सिर दर्द मिटाने की दवाई दे रहा हूँ।सिर दर्द के कारण रोना आ रहा है, तुमने अपना मुँह पकड़कर चीख रोक ली, नहीं मैं भले ही कितना बड़ा पापी हूँ लेकिन पड़ोस में सोने वाला बहुत पुण्यात्मा है, उसकी नींद मैं खराब नहीं होने दूँगा।

बच्चों को नैतिकता का पाठ बचपन से पढ़ाएं: मुनि आदित्य सागर

अगस्त में होंगे विविध आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज के शिष्य मुनि आदित्य सागर महाराज ने मंगलवार को प्रातः कीर्ति नगर स्थित श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित धर्म सभा में प्रवचन देते हुए कहा कि मनुष्य का आध्यात्मिक पक्ष तभी सफल होगा जब उसके पास नैतिकता होगी। नैतिकता स्वयं में होनी चाहिए और बच्चों को नैतिकता का पाठ बचपन से ही समझाना चाहिए। नैतिकता तथा संस्कार हमें बच्चों को बचपन से ही देना चाहिए तभी वह फलीभूत होंगे। युवा अवस्था में आने पर अगर हम उनको नैतिकता का पाठ पढ़ाएंगे तो वह कभी सफल नहीं होंगे। मुनिश्री ने आगे कहा कि बुद्धिमान लोग स्वयं को सत्य से जोड़ते हैं झूठ से नहीं। झूठ से हमारा पतन होता है, उत्थान नहीं। एक झूठ को छुपाने के लिए 100 झूठ बोलने पड़ते हैं। इसलिए हमें सत्य का ही सहारा लेकर आगे बढ़ना चाहिए। स्वयं को सत्य से जोड़ने का प्रयास करना चाहिए। जिसका जीवन झूठ से नहीं जुडा हो ऐसे लोगों से जुड़ना चाहिए और अपने से जोड़ना चाहिए क्योंकि बुद्धिमान पुरुष सत्य का ही पक्ष लेते हैं। परिस्थितियों को अपने ऊपर हावी नहीं होने देना चाहिए तभी हम सत्य बोल पाएंगे । हमें राजा, वकील ,वैद व गुरु से कभी झूठ नहीं बोलना चाहिए। मुनिश्री ने कहा कि हमारे जीवन में दृढ़ता होनी चाहिए तभी हम सत्य पर चल पाएंगे। गलत को गलत व सही को सही स्वीकार करना सीखेंगे तभी हम सत्य की राह पर चल सकते हैं । गुरु को दिया हुआ वचन कभी टूटना नहीं चाहिए क्योंकि वहां हम सत्यता पूर्वक वचन गुरु को देते हैं। व्यापार आदि हम करते हैं और अगर सत्यता रहती है वादा नहीं तोड़ते हैं तो व्यापार हमारा बढ़ता रहता है अगर हम विश्वास घाती बन जाते हैं तो हमारा व्यापार चौपट हो जाता है इसलिए व्यापार भी हमें सत्य और दृढ़ता के साथ करना चाहिए। मुनिश्री ने कहा कि सत्य बोलने वाले व्यक्ति को हाजिर जबाबी होना चाहि हाजीर जवाबी भी का मतलब है कि सटीक और सही ढंग से बोलना है। जब हम हाजिर जवाबी होते हैं तो हमारे व्यक्तित्व में निखार और व्यापकता आती है। अध्यक्ष प्रेम कुमार जैन एवं महामंत्री जगदीश जैन ने बताया कि इससे पूर्व दीप प्रज्जवलन, मंगलाचरण के आयोजन किये गये। अध्यक्ष प्रेम कुमार जैन एवं महामंत्री जगदीश जैन ने बताया कि बुधवार को प्रातः जैन धर्म के 22 वें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। गुरुवार, 31 जुलाई को मूलनायक जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का पूजा विधान किया जाकर मोक्ष कल्याणक मनाया जाकर निर्वाण लाडू चढाया जायेगा। प्रचार संयोजक आशीष बैद के मुताबिक बुधवार को प्रातः 8.15 बजे धर्म सभा में मुनि आदित्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होंगे।

प्रेषक : विनोद जैन कोटखावदा

नेचुरल प्रोटीन शेक : बिना पाउडर, बिना साइड इफेक्ट्स!

क्या आप मसल्स बनाना चाहते हैं, वजन बढ़ाना चाहते हैं या फिर दिनभर एक्टिव और एनर्जेटिक महसूस करना चाहते हैं — वो भी बिना किसी केमिकल सप्लीमेंट के? अगर हां, तो आज हम आपके लिए लाए हैं एक ऐसा देसी प्रोटीन शेक जो घर पर बनेगा, जायकेदार भी होगा और पूरी तरह नेचुरल भी।

क्यों छोड़ दें मार्केट के प्रोटीन पाउडर्स?

उनमें मिलते हैं केमिकल एडिटिव्स और प्रिजरवेटिव्स, जो लंबे समय में नुकसानदेह हो सकते हैं। पेट में भारीपन, गैस या नींद न आना जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। और सबसे बड़ी बात — प्राकृतिक विकल्प हमेशा बेहतर होता है!

घर पर बनाएं यह शक्तिशाली नेचुरल प्रोटीन शेक

सामग्री:

भुनी हुई और छिलके उतारी मूंगफली 2 टेबलस्पून
तिल (सफेद या काले) 1 टेबलस्पून
पका हुआ केला 1
खजूर (बीज निकाले हुए) 2
दूध या बादाम दूध 1 गिलास

सभी चीजें फाइबर और प्रोटीन से भरपूर हैं, और शरीर को नेचुरल तरीके से मजबूती देती हैं।

बनाने की विधि:

सारी सामग्री को एक ब्लेंडर में डालें। एक मिनट तक अच्छी तरह ब्लेंड करें जब तक स्मूद शेक ना बन जाए। चाहें तो ऊपर से थोड़े चिया सीड्स या दालचीनी पाउडर भी डाल सकते हैं। तैयार है आपका हेल्दी, होममेड प्रोटीन शेक!

फायदे जो आपको चौंका देंगे

नेचुरल प्रोटीन बूस्ट: मसल्स ग्रोथ और रिकवरी में सहायक।

वजन बढ़ाने में मददगार: बिना किसी हैवी कैलोरी ड्रिंक के।

एनर्जी का तगड़ा डोज: सुबह या वर्कआउट के बाद लें और दिनभर फुर्ती महसूस करें।

डाइजेशन फ्रेंडली: फाइबर युक्त सामग्री से पेट रहेगा हल्का और दुरुस्त।

कब और कैसे लें?

रोज सुबह नाश्ते के समय या वर्कआउट के बाद। हफ्ते में 5 दिन तक नियमित सेवन करें और 15 दिन में फर्क महसूस करें।

-डा पीयूष त्रिवेदी आयुर्वेद चिकित्सा विशेषज्ञ शासन सचिवालय जयपुर

जैन मोक्षधाम जोबनेर में वृक्षारोपण का आयोजन

जोबनेर. शाबाश इंडिया। मोक्षधाम परिसर में आज वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें गुलाब,मोगरा,आम,बरगद जैसे 50 से अधिक पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में मिक्की बड़जात्या, मोना जैन, गोकुल बड़जात्या, लवी जैन,अर्पित पाटनी, माणक काकाजी, गिरधारी, सहित जैन समाज व स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण व हरित धरोहर को बढ़ावा देना रहा छात्र-छात्राओं व युवा वर्ग की भी उल्लेखनीय सहभागिता रही। समापन पर ''वृक्ष ही जीवन'' विषय पर लघु संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया।

करुणा सेतु - सेवा ही धर्म है

मदुराई तमिलनाडु. शाबाश इंडिया

यहां पर करुणा सेतु परिवार के सदस्यों ने श्री नेमिनाथ भगवान का जन्म कल्याणक जीवदया व जरूरतमंदो को भोजन वितरण कर मनाया । मीडिया प्रभारी दिनेश सालेचा ने बताया कि करुणा सेतु टीम सदस्यों ने सेवा ही धर्म है कार्यक्रम के तहत स्थानीय श्री मीनाक्षी गौशाला जाकर गायों को तरबूज व पक्षियों को चुगा खिलाया , कुत्तों को दूध पिलाया, और जरूरतमंद लोगों को भोजन के पैकेट वितरण कर पुण्य के कार्य किए इससे पूर्व में टीम सदस्यों द्वारा सेवा रात्रि की सुरक्षा पशुओं जीवन की के तहत रात्रि में सड़कों आवारा गायों के गर्दन पर रिपलेक्टिव बैंड बांधे ताकि अंधेरे में भी वे दिख सके और सुरक्षित रहे ।

जैन धर्म के 22वें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ का जन्म व तप कल्याणक दिवस आज

जैन मंदिरों में होगें विशेष धार्मिक आयोजन जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का 2877 वां निर्वाणोत्सव गुरुवार 31 जुलाई को

चातुर्मास स्थलों पर सजेगी शाश्वत तीर्थराज श्री सम्मेद शिखर जी की झांकी

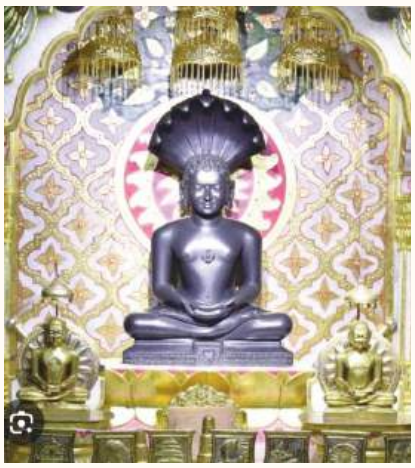

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के 22 वें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ का जन्म व तप कल्याणक दिवस बुधवार, 30 जुलाई को तथा जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का 2877 वां निर्वाणोत्सवदिवस गुरुवार, 31 जुलाई को जैन धर्मावलंबियों द्वारा भक्ति भाव से मनाया जाएगा । इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन होंगे। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार बुधवार 30 जुलाई को मंदिरों में प्रातः भगवान नेमिनाथ के मंत्रोच्चार के साथ अभिषेक, शांतिधारा के बाद विशेष पूजा अर्चना की जावेगी। पूजा के दौरान भगवान नेमिनाथ का जन्म व तप कल्याणक श्लोक का उच्चारण करते हुए अर्घ्य चढाये जाएंगे। जैन के मुताबिक बोरड़ी का रास्ता स्थित दिगम्बर जैन मंदिर लश्कर श्री नेमीनाथ स्वामी में मुनि अर्चित सागर मुनिराज के सानिध्य में शोभा यात्रा निकाली जाएगी। बापूगॉव स्थित श्री नेमिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र छोटा गिरनार, आगरा रोड पर श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी, शास्त्री नगर,जनकपुरी ईमलीवाला फाटक, सांवला जी आमेर, बाहरली नसियां आमेर, न्यू लाइट कालोनी, नेमी सागर कॉलोनी, दिगंबर जैन मंदिरों सहित कई मंदिरों में विशेष आयोजन होंगे।

भगवान पार्श्वनाथ का 2877 वां निर्वाणोत्सव गुरुवार को

विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक गुरुवार, 31 जुलाई को जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का 2877 वां निर्वाणोत्सवमनाया जायेगा। इस मौके पर मंदिरों में मंत्रोच्चार के साथ मोक्ष का प्रतीक निर्वाण लाडू चढाया जावेगा। जैन ने बताया कि जैन धर्म के अनुसार इस पर्व को मुकुट सप्तमी या मोक्ष सप्तमी भी कहते हैं।इस दिन कुंवारी कन्याएं मोक्ष सप्तमी का उपवास करती है। शहर में चल रहे चातुर्मास स्थलों पर शाश्वत सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेद शिखर जी की झांकी सजाई जाकर भगवान के मोक्ष स्थल स्वर्ण भद्र कूट पर निर्वाण लाडू चढाया जावेगा । कई मंदिरों में श्री पार्श्वनाथ विधान पूजा का संगीतमय आयोजन किया जाएगा। जैन के मुताबिक सांगानेर थाना सर्किल स्थित चित्रकूट कालोनी के श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ,पदमपुरा के श्री साधु सेवा तीर्थ में आचार्य शशांक सागर महाराज ससंघ, दहमीकलां के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य नवीन नन्दी महाराज,झोटवाड़ा के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में उपाध्याय वृषभानन्द महाराज ससंघ, मानसरोवर के वरुण पथ स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर में उपाध्याय उर्जयन्त महाराज, कीर्तिनगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में मुनि आदित्य सागर महाराज,गायत्री नगर के श्री दिगम्बर जैन मंदिर में मुनि पावन सागर मुनिराज, प्रतापनगर सैक्टर 8 स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में मुनि अरह सागर महाराज, पारसनाथ भवन में मुनि अर्चित सागर मुनिराज, बीलवा के विमल परिसर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में गणिनी आर्यिका नंगमति माताजी ससंघ, चौमू बाग स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आर्यिका नन्दीश्वर मति माताजी, दुगार्पुरा के श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्र प्रभजी में गणिनी आर्यिका सरस्वती माताजी ससंघ, थडी मार्केट के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आर्यिका प्रशान्त नन्दिनी माताजी ससंघ के सानिध्य में विशेष आयोजन किया जाएगा। नटाटा आमेर के श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में अध्यक्ष महेन्द्र साह आबूजीवाले, महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के नेतृत्व में निर्वाणोत्सव मनाया जाकर निर्वाण लाडू चढाया जाएगा। आगरा रोड पर श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र चूलगिरी, ख्वास जी का रास्ता स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सोनियान में विशेष आयोजन होंगे।

विनोद जैन 'कोटखावदा' : प्रदेश महामंत्री

सखी गुलाबी नगरी द्वारा अचरोल जैन मंदिर दर्शन एवं पूल पार्टी का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

महिला सामाजिक संस्था ''सखी गुलाबी नगरी'' द्वारा 200 महिला सदस्यों को चार बसो द्वारा जयपुर के बाहर एक आकर्षक रिसोर्ट में एक दिवसीय धार्मिक एवं मनोरंजनात्मक कार्यक्रम का भव्य आयोजन 29 जुलाई को किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत अचरोल स्थित प्रसिद्ध जैन मंदिर के सभी ने दर्शन व भक्तिभाव से पूजा-अर्चना की और आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव लिया। दर्शन के उपरांत महिलाओं के लिए एक आकर्षक पूल पार्टी का आयोजन किया गया, जिसमें हाऊजी, संगीत, नृत्य और स्वादिष्ट भोजन के साथ सभी ने मनोरंजन का भरपूर आनंद लिया। इस सफल आयोजन की प्रेरणा संस्था की संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती सारिका जैन द्वारा दी गई। आयोजन को सफल बनाने में संस्था अध्यक्ष श्रीमती सुषमा जैन और सचिव श्रीमती ममता सेठी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में शामिल सभी सदस्यों ने इस सुंदर कार्यक्रम के अनुभव के लिए संस्था का आभार जताया और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की उत्सुकता से प्रतीक्षा जताई। विशेष रूप से कार्यक्रम में बस कॉर्डिनेटर्स एवं संस्था की सम्पूर्ण कार्यकारिणी का सहयोग रहा।